सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹02

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

कानपुर, गुरुवार, 26 जून, 2025
वर्षः 02, अंकः 175, पृष्ठः 8+4

लखनऊ के शुभांशु ने अंतरिक्ष को भरी उड़ान

इनसाइड ट्रांसगंगा सिटी की जमीनों पर भूमाफियाओं की नजर... » Pg 03

» Pg 12

फर्जी आधार कार्ड, धोखाधड़ी, जालसाजी के साथ छेड़छाड़ का भी आरोप

अब कथावाचकों पर मुकदमा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

» सीएम योगी ने एसएसपी को लगाई पटकार, कुछ लोग यूपी में कराना चाहते हैं जातीय हिंसा

» मुकट मणि यादव, संत सिंह यादव पर इटावा के थाना बकेवर में देर रात मुकदमा दर्ज हुआ

लखनऊ। इटावा में कथावाचक से बदसलूकी का मामला अब जोर पकड़ता जा रहा है। कानपुर के रहने वाले कथावाचक मुकट मणि, संत सिंह यादव और उनके साथियों ने ब्राह्मणों पर मारपीट और अमानवीय हरकत करने का आरोप लगाया था।

मुकट मणि यादव और संत सिंह यादव पर इटावा के थाना बकेवर में देर रात मुकदमा दर्ज कराया गया है। इस मामले में दादरपुर निवासी जयप्रकाश तिवारी की शिकायत पर दर्ज किया गया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 299,318(4), 319(2), 336(3), 338 व 340(2) में एफआईआर दर्ज की है। शिकायतकर्ता ने दोनों कथा वाचकों पर धोखाधड़ी और जालसाजी करने के आरोप लगाए गए हैं। वहीं पिछले दो दिनों से कथावाचक मुकुट मणि के दो आधार कार्डों की गुत्थी सुलझा नहीं पा रही है। मुकुट मणि पर एक ही फोटो और एक ही पते पर दो आधार कार्ड बनवाने का आरोप है। एक में उसका नाम मुकुट मणि अग्निहोत्री दर्ज है। इसी नाम से ब्राह्मण बताकर मुकुट मणि कथा करने गए थे। वहीं मारपीट की घटना हुई।

पीड़ित कथावाचक 23 जून को इटावा के सपा सांसद जितेंद्र दोहरे के साथ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) बृजेश कुमार श्रीवास्तव से मुलाकात की। एसएसपी के आदेश पर कोतवाली में चार नामजद और 50 अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। इस मामले में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। घटना उजागर होने के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पीड़ित कथावाचक और उनके साथियों को लखनऊ बुलाकर उनका सम्मान किया और 21-21 हजार देने के साथ सबको 51-51 हजार रुपये देने का वादा किया है। इस घटना में ब्राह्मण महासभा भी सक्रिय हो गई है। महासभा के प्रदेश अध्यक्ष अरुण दुबे ने अपने साथियों के साथ इटावा के एसएसपी से मुलाकात कर आरोप लगाया कि कथावाचकों ने अपनी जाति छुपाई, धार्मिक भावना भड़काई और महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार किया। महासभा ने कथावाचकों पर कार्रवाई न होने की स्थिति में आंदोलन की चेतावनी दी है। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इटावा एसएसपी ब्रजेश श्रीवास्तव को फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि कुछ लोग यूपी में जातीय हिंसा करना चाहते हैं और पुलिस इसे रोक नहीं पा रही है।

वोटबैंक की राजनीति कर रहे अखिलेश : केशव प्रसाद मौर्य

प्रतापगढ़। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को प्रतापगढ़ में कांग्रेस के साथ समाजवादी पार्टी पर भी करारा हमला बोला। डिप्टी सीएम ने पुलिस लाइन में समाजवादी पार्टी को समाप्तवादी पार्टी करार देते हुए केशव ने कहा कि 2027 में यूपी में फिर से भाजपा की सरकार बनने जा रही है। इटावा में कथा वाचक के अपमान के प्रकरण केशव प्रसाद ने कहा कि किसी भी कथा वाचक का अपमान नहीं होना चाहिए। भक्ति करने व कथा सत्संग करने का अधिकार सबको है। दोषियों पर कार्रवाई शासन से हुई, लेकिन इस संवेदनशील प्रकरण में अखिलेश यादव ने जातिगत राजनीति की है, जो निंदनीय है।

कथावाचक विवाद

सड़क जाम और नारेबाजी की, कथावाचकों की खिलाफ कार्रवाई वापस लेने की मांग

अहीर रेजिमेंट और यादव संगठन ने थाना घेरा, किया हंगामा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

उत्तर प्रदेश के इटावा में कथावाचक के साथ बदसलूकी का मामला तूल पकड़ चुका है. इस मामले को लेकर स्थानीय स्तर पर लोगों में आक्रोश देखने को मिल रहा है। यही वजह है कि अहीर रेजिमेंट और यादव संगठन के कार्यकर्ताओं ने थाना बकेवर का घेराव कर जमकर हंगामा किया। लोगों ने सड़क जाम कर अपनी मांगें रखी, जिसमें गगन यादव की रिहाई और कथावाचकों के खिलाफ की गई कार्रवाई को वापस लेने की मांग प्रमुख थी। इसके साथ ही, घटना के दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग भी की गई।

इटावा के थाना बकेवर क्षेत्र में अजीत रेस्टोरेंट के पास संगठन के कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की। इस दौरान सड़क जाम कर दी गई। पुलिस ने भीड़ को वापस लौटने के लिए मनाया। इटावा के साथ-साथ आसपास के जनपदों से आए संगठन के सदस्यों ने एकजुट होकर अपनी मांग दोहराई कि गगन यादव को तत्काल रिहा किया जाए, कथावाचकों के खिलाफ दर्ज कार्रवाई को रद्द किया जाए। कथावाचकों के साथ मारपीट मामले में पुलिस ने करते हुए उनको पीटने वाले चार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। वहीं इटावा पुलिस ने दोनों कथावाचकों मुकुट मणि यादव और उनके सहायक संत सिंह यादव के खिलाफफर्जी आधार कार्ड बनाने और जाति छुपाकर कथा करने के मामले में धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया है।

वोट हमारा, राज तुम्हारा नहीं चलेगा: सूरज सिंह जाटव

» शिवराजपुर के बिलहन गांव में बीएसपी की बूथ समीक्षा बैठक में सरकार बनाने का लिया संकल्प

» मुख्य अतिथि के रूप में पहुँचे मंडल प्रभारी, कार्यकर्ताओं में जोश भरा

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर (कानपुर)। वोट हमारा,राज तुम्हारा नहीं चलेगा... जो सरकार निकम्मी है, वो सरकार बदलनी है... चढ़ गुंडों की छाती पर, मोहर लगाओ हाथी पर !ऐसे जोशीले नारे उस वक़्त गूंज उठे जब बीएसपी के मुख्य मंडल प्रभारी सूरज सिंह जाटव (कानपुर, आगरा मंडल) ने गांव पहुंचकर हुंकार भरी।

शिवराजपुर ब्लॉक के बिलहन गांव में बुधवार को आयोजित बूथ समीक्षा बैठक में सैकड़ों कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में पार्टी की नीतियों और 2027 के लक्ष्य पर चर्चा की गई।

सूरज जाटव ने कहा कि बहुजन समाज पार्टी ही प्रदेश को एक स्थिर, विकासशील और सामाजिक न्याय आधारित सरकार दे सकती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि अबकी बार हाथी पर मोहर लगाकर बहुजन समाज पार्टी को सत्ता तक पहुंचाना है।बैठक में मुख्य रूप से मंडल प्रभारी राम नारायण निषाद, भाईचारा संयोजक हरिनारायण कुशवाहा, जिलाध्यक्ष कुलदीप गौतम, विधानसभा प्रभारी प्रमोद गौतम, अध्यक्ष रमेश पाल, पूर्व उपाध्यक्ष प्रेमचंद्र, पूर्व प्रभारी एडवोकेट विनय कुमार गौतम समेत बीएसपी के सेक्टर और बूथ पदाधिकारी मौजूद रहे। सभा के अंत में सभी ने एक स्वर में बहुजन समाज पार्टी की सरकार बनाने का संकल्प लिया।

भाईचारे का संदेश और संगठित बूथ की रणनीति

बैठक में न सिर्फ जोश भरा गया, बल्कि बूथ स्तर तक की रणनीतियों पर भी चर्चा हुई। संगठन के प्रमुख पदाधिकारियों ने साफ किया कि अब हर गांव, हर गली, हर वोट पर फोकस होगा। भाईचारा, सामाजिक न्याय और बौद्धिक जागरूकता बसपा की ताक़त रहे हैं और इस बार इन्हीं मूल्यों के आधार पर सत्ता परिवर्तन का लक्ष्य तय किया गया है।

फेसबुक पर दोस्ती,फिर धोखा!

» युवती का आरोप जेवरात और पैसे भी ले गया युवक

» फेसबुक पर हुई थी दोनों की दोस्ती

बिल्हौर में युवती से धोखा, प्रेमजाल में फंसाकर किया शोषण

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर थाना क्षेत्र के सिहुरादारा शिकोह निवासी युवक पर एक विवाहिता ने गंभीर आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है। आरोप है कि युवक ने फेसबुक पर दोस्ती कर पहले प्यार का जाल बुना, फिर शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण किया और युवती के जेवर व नगदी भी हड़प लिए गए।प्राप्त जानकारी के अनुसार औरैया जनपद के ग्राम याक़ूबपुर निवासी पीड़िता ने बिल्हौर थाने में दी गई तहरीर में बताया कि उसकी पहचान फेसबुक के माध्यम से बिल्हौर के हरिओम दीक्षित नामक युवक से हुई थी। दोनों के बीच बातचीत का सिलसिला शुरू हुआ जो जल्दी ही नजदीकियों में बदल गया।पीड़िता का आरोप है कि आरोपी ने शादी का वादा कर उसके साथ अवैध संबंध बनाए और बहला-फुसलाकर उसके जेवरात व पैसे भी ले लिए। जब पीड़िता ने विवाह की बात की तो आरोपी ने इंकार कर दिया और धमकी दी कि यदि किसी को कुछ बताया तो वह और उसकी पुत्री को जान से मार देगा।

पीड़िता ने बताया कि आरोपी ने उसके साथ मारपीट भी की है। युवती ने पुलिस से जानमाल की सुरक्षा की गुहार लगाई है और आरोपी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। बिल्हौर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

ट्रांसगंगा सिटी की अधिग्रहित जमीनों पर भूमाफियाओं की नजर !

अनूप अवस्थी, स्वराज इंडिया

कानपुर। यूपीसीडा मुख्यालय से महज कुछ दूरी पर 15 साल पहले विकसित की गई ट्रांसगंगा सिटी परियोजना अभी भी दौड नहीं पा रही है लेकिन परियोजना के लिए अधिग्रहित जमीनों पर लगातार कब्जे हो रहे हैं। कई जगह भूमाफियाओं ने यूपीसीडा की बाउंड्री को तोडकर कब्जा जमा लिया है और प्लाटिंग करके बेंच भी रहे हैं। सबसे बडी बात यह है कि कब्जे की सूचनाएं देने के बाद भी यूपीसीडा में बैठे अफसर कार्रवाई के नाम पर सिर्फ रस्म-अदायगी से आगे नहीं बढ पा रहे हैं। खानापूर्ति तक सीमित हैं।

- यूपीसीडा मुख्यालय कानपुर से सटी ट्रांसगंगा सिटी की जमीनों पर माफिया कर रहे कब्जे,
- शंकरपुर सराय और पिपरीखेडा गांव के पास बाउंड्री तोडी गई
- शिकायतों को नजर अंदाज कर रहे यूपीसीडा के अधिकारी

कानपुर महानगर और उन्नाव की सीमा पर सपा शासनकाल वर्ष 2003 में यूपीसीडा द्वारा ट्रांसगंगा सिटी परियोजना लांच की गई लेकिन जमीन अधिग्रहण के मुवाअजा विवाद के चलते परियोजना विवादित होती गई। इसके चलते योजना डंप सी हो गई लेकिन सीईओ मयूर माहेश्वरी ने इसको गति देने के लिए अथक प्रयास किए। अब परियोजना में लगभग सभी विवाद खत्म हो चुके हैं और वहां पर तमाम विकास कार्यो के लिए पानी की तरह करोडों रूपया बहाया जा रहा है। करोडों रूपयों से लाइटिंग और अन्य सुरक्षा सिस्टम लगाए गए हैं। इसके बाद भी महज एक दर्जन मकान बने दिखते हैं, बाकी एरिया खाली वीरान नजर आता है। बताया जा रहा है कि एक्सईएन कार्यालय और क्षेत्रीय कार्यालय में तैनात अधिकारियों की उदासीनता के कारण परियोजना में कोई खास प्रगति नहीं दिख रही है। अधिकारी और कर्मी सिर्फ अपना 'भला' देख रहे हैं बाकी परियोजना को लेकर कोई रूचि नहीं है तत्कालीन अधिकारियों द्वारा शहरी और औद्योगिक विकास के दिखाए गए बडे बडे सपने आज भी अधूरे नजर आ रहे हैं।

> अधिग्रहित जमीनों की कब्जों की शिकायत पर स्थानीय पुलिस को सूचना भेजी गई थी, कार्रवाई क्यों नहीं हुई पता कराया जाएगा।
> **चर्चित गौड, एसीईओ**

> ट्रांसगंगा सिटी में प्लाट आवंटन की कार्रवाई हो चुकी है, आवासीय विस्तार भी तेजी से हो रहा है, औद्योगिक प्लाटों पर उद्योग लगाने के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं। जमीन पर कब्जा रोकने का काम एक्सईएन कार्यालय करता है, हमे इसकी जानकारी नहीं है।
> **अजयदीप सिंह, क्षेत्रीय अधिकारी यूपीसीडा**

स्वराज इंडिया एक्सक्लूसिव

अफसर कर रहे शिकायतों की अनदेखी

ट्रांसगंगा सिटी परियोजना के सेक्टर 8 शंकरपुर सराय और ग्राम पिपरी की सीमा पर अधिग्रहित जमीनों की बाउंडी गिराकर जमीन पर प्लाटिंग का मामला यूपीसीडा के एसीईओ चर्चित गौड को मीडिया के द्वारा 18 मार्च 2025 को अवगत कराया गया था लेकिन इसके बाद भी कोई ठोस एक्शन नही लिया गया। विभागीय सूत्रों का दावा है कि सिर्फ पुलिस को सूचना देकर खानापूर्ति कर ली गई लेकिन विभागीय कार्रवाई नहीं की गई। इससे लगातार वहां पर जमीनों पर कब्जे करके मकान बनाए जा रहे हैं। उन्नाव के विकासखंड सिकंदरपुर की ग्राम पंचायत शंकरपुर सराय के ग्राम प्रधान सर्वेश कुमार लोधी ने 18 जून 2025 को यूपीसीडा सीईओ को पत्र भेजकर शिकायत दर्ज कराई गई लेकिन कोई एक्शन नहीं लिया गया।

नेवी की वर्दी में दरिंदा! लड़की से रेप, फिर शादी से इनकार

प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर देहात की एक युवती ने नेवी में तैनात सचेंडी निवासी विजय सिंह पर शादी का झांसा देकर रेप करने और बाद में धमकाने का गंभीर आरोप लगाया है। युवती के मुताबिक आरोपी उसके भाई का करीबी दोस्त था और अक्सर घर आता-जाता था। बातचीत बढ़ने पर उसने दोस्ती और फिर प्रेम संबंध का प्रस्ताव रखा, जिसे लड़की ने सहमति दे दी। लड़की वर्तमान में काकादेव के ओम नगर चौराहा स्थित एक हॉस्टल में रहती है, जहां विजय अक्सर मिलने आता था।

- दो महीने तक काटे थाने के चक्कर, पुलिस कमिश्नर के हस्तक्षेप पर दर्ज हुआ केस
- बीजेपी नेता के होटल और ओयो रूम में बनाई गई पीड़िता की अश्लील फोटो

एक दिन आरोपी उसे रेस्टोरेंट ले गया, वहां उसने नशीली कोल्डड्रिंक पिलाकर होश की हालत में फिजिकल रिलेशन बनाए। जब पीड़िता को होश आया और उसने विरोध किया, तो विजय ने शादी का वादा कर मामला शांत करा दिया।होटल में किया शारीरिक शोषण

वीडियो बनाकर दी वायरल करने की धमकी

पीड़िता ने आगे बताया कि कुछ दिन बाद आरोपी ने उसे एक होटल में बुलाया, जो कथित तौर पर एक बीजेपी नेता से जुड़ा हुआ था। वहां भी उसके साथ दुष्कर्म किया गया। इसके बाद विजय ने उसे ओयो रूम में बुलाया, जहां दोबारा फिजिकल रिलेशन बनाकर उसके निजी पलों की तस्वीरें और वीडियो बना लिए गए। जब युवती ने शादी के लिए दबाव डाला, तो आरोपी ने साफ इनकार कर दिया और धमकी दी कि अगर उसने जोर डाला, तो सारी तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल कर देगा। डर और शर्मिंदगी से जूझती युवती लगातार रावतपुर और फजलगंज थाने के चक्कर लगाती रही, लेकिन उसकी सुनवाई नहीं हुई। आखिरकार पुलिस कमिश्नर के हस्तक्षेप के बाद फजलगंज थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया और जांच शुरू कर दी है। फिलहाल आरोपी फरार बताया जा रहा है।

एडीजी आलोक सिंह ने चेताया,कानून व्यवस्था को रखें दुरुस्त

वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से डीआईजी रेंज कानपुर व डीआईजी रेंज झाँसी एवं जोन के समस्त जनपदों के जिला पुलिस कप्तानों के साथ मीटिंग की

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर ज़ोन की धरती में तैनात ईमानदार छवि के तेजतर्रार एडीजी आलोक सिंह द्वारा बुधवार को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से कानपुर जोन के डीआईजी रेंज कानपुर व डीआईजी रेंज झाँसी एवं जोन के समस्त जनपदों के जिला पुलिस कप्तानों के साथ अपराध नियंत्रण,आगामी समय में पड़ने वाले त्योहार भगवान जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव,शिवरात्रि व मोहर्रम पर्व एवं अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं के सम्बन्ध में समीक्षाद्द गोष्ठी कर निर्देश दिए।बुधवार को एडीजी आलोक सिंह ने वीडियो कांफ्रेंस के जरिए जोन के सभी जनपदों के जिला पुलिस अफसरों को निर्देशित किया

कि यात्रा तथा जूलूस के दौरान सार्वजनिक मार्गो पर बेहतर यातायात प्रबंधन,पर्याप्त पुलिस बल लगाया जाए.इस दौरान एडीजी ने गुगल मीट में प्रतिभाग कर रहे अधिकारियों को दिशा निर्देश देते हुए कहा कि आगामी त्यौहारों पर कानून-व्यवस्था के दृष्टिगत से संवेदनशील स्थानों का भौतिक निरक्षण व संभ्रांत व्यक्तियों के साथ बैठक कर लें ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की कोई अप्रिय घटना घटित न हो सके और लॉ एवं ऑर्डर की कोई भी समस्या उत्पन न होने पाए.इसी क्रम में उन्होंने कहा कि वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी व लम्बित अभियोगों को विवेचना के निस्तारण के लिए विशेष अभियान चलाया जाए.महिला संबधी अपराध जैसे दुष्कर्म,शीलभंग व अपहरण आदि के मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रभावी निरोधात्मक कार्रवाई की जाए.

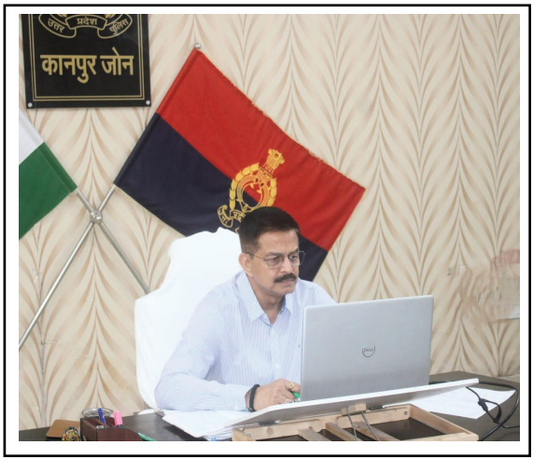

सम्पादकीय

गगनयान अभियान की आधारशिला है मिशन

आज़ादी प्राप्त करने के 78 साल बाद भी यदि देश की 80 करोड़ आबादी को सरकारी सहायता के रूप में मिलने वाले मुफ्त अनाज के सहारे जीना पड़ रहा है तो यह किसी भी सरकार के लिए गर्व की नहीं, चिंता की बात होनी चाहिए, और इसे सरकार की एक उपलब्धि के रूप में गिनाया जा रहा है! हर साल दो करोड़ बेरोज़गारों को रोज़गार देने का वादा करके सत्ता में आने वाली सरकार देश के बेरोज़गारों को 'आकांक्षी युवा' का नाम देकर अपने वादों को भुलाने की कोशिश कर रही है, इसे राष्ट्रीय चिंता के रूप में ही स्वीकारा जाना चाहिए।

जिस तरह सुलझाने के लिए पहले समस्या के अस्तित्व को स्वीकारना ज़रूरी होता है, उसी तरह मौजूद स्थितियों को भी स्वीकारना होता है। तभी स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए कुछ सार्थक किया जा सकता है। पर हमारी सरकारें तो जनता की समस्याएं सुलझाने के बजाय जनता को भरमाने की नीति में विश्वास करती हैं। ऐसा नहीं है कि बेहतर स्थितियों के लिए कुछ नहीं हुआ, बहुत कुछ हुआ है, पर जितना कुछ हुआ है उससे कहीं अधिक होना बाकी है। जो किया है, उसका यश सरकारों को मिलना चाहिए, पर जो किया जाना बाकी है उसे स्वीकारना भी सरकार का ही दायित्व है। यह दायित्व बेरोज़गार युवा को आकांक्षी युवा कहने से पूरा नहीं होगा। कुछ ठोस करने की आवश्यकता है।बेरोज़गारी हमारी समस्या है, गरीबी हमारी समस्या है। यह तथ्य स्वीकारना ही होगा। नये नामों या नये नारों से बात नहीं बनेगी। 'अच्छे दिन' को परिभाषित करके उन परिकल्पनाओं को धरती पर उतारना ही होगा। पुराने नारों को भुलाकर नये नारों से भरमाना, संभव है, कुछ तात्कालिक लाभ दे दे, पर किसी इलाहाबाद को प्रयागराज नाम देने से या बेरोज़गार को आकांक्षी कह देने से बात नहीं बनेगी। 'व्यापम घोटाले' के बाद संस्था का नाम कर्मचारी चयन बोर्ड कर देने से किसी व्यापम वाली शर्म मिट नहीं जायेगी। युवाओं को नया नाम नहीं, काम चाहिए। महंगाई को 'कीमतों में विविधता' और भ्रष्टाचार को 'नवाचार' कहना नीति में नहीं, नीयत में खोट का संकेत है।अमेरिका के एक्सियम-4 मिशन में तीन अंतरिक्ष यात्रियों के साथ इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिये भारतीय शुभांशु शुक्ला का रवाना होना, निश्चय ही भारत के लिए अंतरिक्ष में एक मील का पत्थर साबित होगा। यह गर्व की बात है कि स्क्वाड्रन लीडर राकेश शर्मा के अंतरिक्ष में कदम रखने के 41 साल बाद कोई भारतीय अंतरिक्ष में पहुंचा है। इस मिशन में ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के साथ पौलेंड, हंगरी व अमेरिका के अंतरिक्ष यात्री भी हैं। यूं तो अंतरिक्ष यात्रियों में कल्पना चावला व सुनीता विलियम्स का नाम लिया जाता है, लेकिन वे भारतीय मूल की थीं, भारतीय नहीं। दरअसल, एक्सियम-4 का सफल प्रक्षेपण इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसे भारत के महत्वाकांक्षी मानव मिशन गगनयान की पहली सीढ़ी माना जा रहा है। इस मिशन के अनुभवों से गगनयान अभियान की सफलता में मदद मिलेगी। दरअसल, गगनयान भारत का पहला स्वदेशी मानव मिशन है, जिसके तहत भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को 2027 में अंतरिक्ष मिशन पर भेजा जाना है। एक्सियम-4 मिशन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच हुए समझौते ने गति दी थी। जिसके चलते हम चार दशक बाद किसी दूसरे भारतीय को अंतरिक्ष में भेजने में सफल हो सके। कई तकनीकी कारणों से इस उड़ान में विलंब हुआ, लेकिन अंतत: अंतरिक्ष यान का सफल प्रक्षेपण संभव हुआ।

समाज की चुप्पी से मजबूत होता नशा बाजार

डा0 आर के जैन

छब्बीस जून का अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस हमें याद दिलाता है कि यह लड़ाई केवल एक दिन की नहीं, बल्कि हर दिन की है। यह केवल एक जागरूकता अभियान नहीं, बल्कि एक सामाजिक क्रांति का आह्वान है। हमें अपने समाज को यह बताना होगा कि नशा स्वतंत्रता नहीं, गुलामी है।हर साल 26 जून को जब दुनिया अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस मनाती है, तो सवाल सिर्फ इतना नहीं कि हम इसके खिलाफ कितनी बातें कर रहे हैं–बल्कि यह है कि क्या हम इसके खिलाफ सच में खड़े हो रहे हैं? यह दिन केवल एक तारीख नहीं, बल्कि एक जागृति का आह्वान है–एक ऐसी क्रांति की शुरुआत, जो नशे की जड़ों को उखाड़ फेंके और समाज को उसकी चपेट से मुक्त करे।

नशे की त्रासदी केवल इसके शारीरिक या मानसिक नुकसान तक सीमित नहीं है; इसकी असली ताकत उस सामाजिक स्वीकार्यता में है, जो इसे धीरे-धीरे हमारे जीवन में घुसने देती है। स्कूल के किशोर से लेकर कॉरपोरेट ऑफिस में काम करने वाले प्रोफेशनल तक, नशा अब एक 'पर्सनल चॉइस' का लबादा ओढ़ चुका है। संयुक्त राष्ट्र की 2023 की विश्व ड्रग रिपोर्ट के अनुसार, विश्व भर में लगभग 29.6 करोड़ लोग नशीले पदार्थों का सेवन करते हैं, और यह संख्या हर साल बढ़ रही है। एनसीआरबी और अन्य सर्वेक्षणों के अनुसार, भारत में 15 से 34 वर्ष की आयु के बीच के लाखों युवा नशे की चपेट में हैं। इनमें से कई स्कूली बच्चे और कॉलेज छात्र हैं, जो ड्रग्स, शराब, और तंबाकू के जाल में फंस रहे हैं।नशे की यह महामारी केवल एक व्यक्ति की कमजोरी नहीं है; यह एक सामाजिक संरचना की खामी है। जब नशा 'कूल' होने का पर्याय बन जाता है, जब फिल्मों में सिगरेट का धुआं या शराब का ग्लास 'हीरोइज्म' का प्रतीक दिखाया जाता है, तो हमारी युवा पीढ़ी को गलत संदेश मिलता है। आज का युवा नशे को स्टेटस, स्टाइल, और स्वतंत्रता से जोड़ता है। यह एक ऐसी भ्रांति है, जो न केवल व्यक्तिगत जीवन को बर्बाद करती है, बल्कि पूरे समाज के नैतिक और सांस्कृतिक ढांचे को कमजोर करती है। नशा केवल शरीर को नहीं खोखला करता; यह सपनों, रिश्तों, और आत्मविश्वास को भी नष्ट करता है।

नशे के पीछे कई कारण गिनाए जाते हैं—तनाव, बेरोजगारी, सामाजिक दबाव, या फिर दोस्तों का प्रभाव। लेकिन क्या हमने कभी यह पूछा कि हमारी व्यवस्था इस समस्या को रोकने में कितनी नाकाम रही है? नशा विरोधी कानून, जैसे नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट (एनडीपीएस), 1985, भारत में मौजूद हैं, लेकिन इनका प्रभावी कार्यान्वयन कहां है? स्कूलों में नशे के खिलाफ जागरूकता के नाम पर साल में एक बार भाषण या पोस्टर प्रतियोगिता करवा दी जाती है, लेकिन क्या यह पर्याप्त है? ड्रग तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की कमी और नशे की आसान उपलब्धता इस समस्या को और बढ़ा रही है। हाल के वर्षों में भारत में सस्ते और खतरनाक सिंथेटिक ड्रग्स, जैसे मेफेड्रोन की तस्करी में वृद्धि हुई है। ये नशीले पदार्थ न केवल सुलभ हैं, बल्कि इनका प्रचार सोशल मीडिया और डार्क वेब के जरिए भी हो रहा है।नशे का प्रभाव केवल शारीरिक या मानसिक नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक भी है। नशे की लत के कारण लोग अपनी नौकरी, शिक्षा, और सामाजिक प्रतिष्ठा खो देते हैं। भारत जैसे विकासशील देश में, जहां पहले ही संसाधनों की कमी है, नशे की यह महामारी एक और बड़ी चुनौती है।

इस समस्या का समाधान केवल सरकारी नीतियों या कानूनों तक सीमित नहीं हो सकता। इसके लिए एक सामूहिक प्रयास की जरूरत है, जिसमें हर व्यक्ति, हर परिवार, और हर समुदाय की जिम्मेदारी बनती है। माता-पिता को अपने बच्चों से खुलकर बात करनी होगी—न कि डर या ताने के साथ, बल्कि प्यार और विश्वास के साथ। शिक्षकों को चाहिए कि वे बच्चों के व्यवहार पर नजर रखें और उन्हें नशे के खतरों के बारे में शिक्षित करें।

नाम नहीं नीतियां बदलने से बदलेंगे हालात

नकारात्मक प्रभाव

डा0 सुधीर कुमार

किसी भी समस्या का समाधान समस्या की आंख से आंख मिलाकर उसका सामना करने से होता है, न कि यह मान लेने से कि समस्या है ही नहीं। हमें यह मानना ही होगा कि बेरोज़गारी और गरीबी हमारी बहुत बड़ी समस्या है- और चुनौती भी। इस समस्या का समाधान चुनौती को स्वीकार करके ही किया जा सकता है।शेक्सपियर ने भले ही कह दिया हो कि नाम में क्या रखा है, पर हकीकत तो यही है कि आपका नाम आपके चरित्र को बदलने की क्षमता रखता है। शायद इसी समझ का यह परिणाम है कि हमारी सरकारें नाम बदलने की नीति में विश्वास करती दिख रही हैं। गली- मोहल्लों के नाम बदलने से लेकर शहरों तक के नाम बदलने की देश में जैसे एक प्रतिस्पर्धा-सी चल रही है। कोई भी राज्य इस काम में पीछे नहीं रहना चाहता। राज्य यह मानकर चलते दिख रहे हैं कि नाम बदलने की यह कवायद जादुई असर रखती है। इस प्रवृत्ति का ताज़ा उदाहरण मध्य प्रदेश में दिखा है। वहां रातों-रात बेरोज़गारी समाप्त कर दी गयी है। सरकार ने बाकायदा इस बात की घोषणा की है कि अब प्रदेश में कोई बेरोज़गार नहीं है!

ऐसा नहीं है कि राज्य में सबको रोज़गार मिल गया है। हुआ यह है कि राज्य सरकार को अचानक यह इलहाम हुआ है कि बेरोज़गारी की इस समस्या से निपटने का सबसे कारगर तरीका यह है कि रोजगार की तलाश में सड़कों पर भटकते, नारे लगाते युवाओं का नाम ही बदल दिया जाये। न रहेगा बांस, न बजेगी बांसुरी! इसलिए सरकार ने ऐलान कर दिया है कि अब सरकारी दस्तावेजों में राज्य के बेरोज़गार युवाओं को 'रोज़गार खोजने वाला युवा' कहा जायेगा। ऐसे में युवाओं को एक अच्छा-सा नाम भी दे दिया गया है। मध्य प्रदेश के कौशल विकास मंत्री ने यह घोषणा कर दी है कि अब इन युवाओं को 'आकांक्षी युवा' कहा जायेगा। शेक्सपियर ने भले ही कुछ भी माना या कहा हो, हमारी सरकार यह मानती है कि बेरोज़गारी शब्द युवाओं का मनोबल गिराता है, इस शब्द का अस्तित्व ही समाप्त कर दिया जाना चाहिए। अब युवाओं पर इसका नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा। उनका मनोबल बना रहेगा। इस निर्णय के परिणाम स्वरूप सरकारी नौकरियों में कार्यरत युवा उच्च पद पाने की आकांक्षा रखेंगे और बेरोज़गार युवा नौकरी की आकांक्षा रखेंगे। बेरोजगारी की समस्या का इससे अच्छा भला और क्या समाधान हो सकता है?

सरकारी आंकड़ों और मान्यता के अनुसार मध्य प्रदेश में 'आकांक्षी युवाओं' की संख्या दिसंबर 2024 में 26 लाख थी अब यह बढ़कर 29 लाख हो गयी है। सरकारी आंकड़े यह भी बताते हैं कि सन 2020 से सन 2024 के दौरान राज्य में 27 रोज़गार मेले लगाये गये थे, इनमें तीन लाख युवाओं को रोज़गार के प्रस्ताव मिले थे। अब सरकार यह मान रही है कि बेरोजगारों का नाम बदलने से रोज़गार मिलने की गति में तेजी आयेगी और जल्दी ही बेरोजगारी का खात्मा हो जायेगा। निश्चित रूप से देश के अन्य राज्य भी मध्य प्रदेश से प्रेरणा प्राप्त करेंगे और समस्याओं के समाधान का यह नाम बदलू तरीका अपनाकर देश में एक नई क्रांति का सूत्रपात करने में अपना योगदान देंगे।

राज्य सरकार के इस कदम को सार्थक परिणति तक पहुंचाने के काम को गति देने के लिए जनता के सुझाव भी आने लगे हैं। ऐसे सुझावों में एक सुझाव गरीबों को 'अर्ध धनवान' नाम देने का भी है। इसी तरह भिखारियों को 'सड़क के स्टार्टअप खोजी' कहकर देश की इस समस्या से भी छुटकारा पाया जा सकता है।

शुतुरमुर्ग के बारे में यह कहा जाता है कि संकट आने पर वह अपना सर रेत में छुपा लेता है और मान लेता है कि क्योंकि संकट उसे नहीं दिख रहा, इसलिए वह मिट गया है। कुछ ऐसी ही प्रवृत्ति हमारी सरकारों में दिख रही है।

फेसबुक पर उगला जातीय ज़हर, ब्राह्मण महिलाओं को बनाया निशाना

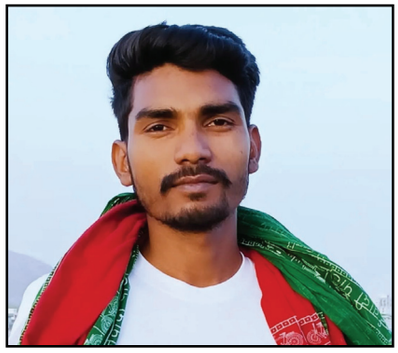

अविरल यादव (निवासी - नौबस्ता, कानपुर) आरोप है कि अविरल यादव ने फेसबुक पर ब्राह्मण समाज की महिलाओं के खिलाफ अश्लील और जातिसूचक टिप्पणियां कीं। उसके पोस्ट में सोशल शुचिता और सामुदायिक सद्भाव को ठेस पहुँचाने वाले शब्दों का इस्तेमाल किया गया, जिससे स्थानीय स्तर पर आक्रोश फैल गया है।

पंकज सिंह यादव एक बेहद आपत्तिजनक और अश्लील पोस्ट में ब्राह्मण समुदाय की बेटियों के लिए अवांछनीय यौन टिप्पणी की गई है। यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है, जिसे लेकर कानूनी कार्रवाई की मांग की जा रही है।

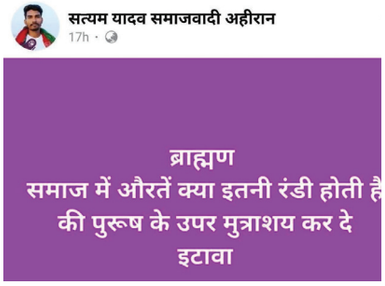

सत्यम यादव(समाजवादी कार्यकर्ता होने का दावा) इस युवक ने कथित रूप से ब्राह्मण महिलाओं के लिए अत्यधिक आपत्तिजनक और अशोभनीय शब्दों का प्रयोग करते हुए पोस्ट साझा किया है। इनकी भाषा से साफ जाहिर होता है कि यह पोस्ट समाज में जातीय द्वेष को फैलाने के उद्देश्य से किया गया।

विकास कुमार यादव विकास कुमार पर आरोप है कि उसने भी ब्राह्मण महिलाओं के बारे में भद्दी और नीच पोस्ट्स फेसबुक पर साझा कीं।

अब ब्राह्मण समाज और अन्य जातीय संगठनों ने एकजुट होकर साइबर सेल, डीआईजी कानपुर, डीसीपी साउथ, और गृह मंत्रालय से इन युवकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग की है।यह केवल एक जाति का मुद्दा नहीं है यह सभी भारतीय महिलाओं की गरिमा, सम्मान और सुरक्षा का सवाल बन चुका है।

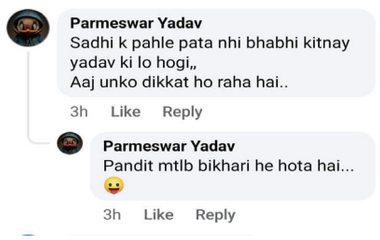

निर्मल यादव इनके द्वारा भी कथित रूप से ब्राह्मण समाज को लेकर अपमानजनक और भड़काऊ पोस्ट साझा किए गए हैं। इनकी पोस्ट में जातीय टकराव को बढ़ावा देने वाली भाषा देखी गई है, जिसे लेकर शिकायतें की जा रही हैं।

- सोशल मीडिया पर जातीय ज़हर की बौछार, ब्राह्मण समाज को गालियों से किया अपमानित
- ब्राह्मणों के विरुद्ध फेसबुक पर फैला जातीय ज़हर, युवाओं की भाषा ने पार की सारी हदें
- फेसबुक बना जातीय ज़हर का अखाड़ा, ब्राह्मण महिलाओं पर किए गए भद्दे कमेंट्स

प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। देश के सबसे बड़े लोकतंत्र में जहाँ वसुधैव कुटुम्बकम की भावना के साथ हर धर्म, जाति, और समुदाय को समान सम्मान देने की सीख दी जाती है, वहीं कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा सोशल मीडिया पर फैलाया जा रहा जातीय जहर एक बार फिर हमारे समाज को शर्मसार कर रहा है।

बीते तीन दिनों से फेसबुक पर कुछ युवकों ने ब्राह्मण समाज, खासकर उनकी बेटियों और महिलाओं के खिलाफ जिस तरह की अश्लील, अभद्र और मानहानिपूर्ण पोस्ट्स डाली हैं, उसने इंटरनेट को शर्मसार कर दिया है।

घाघरा-सरयू नदी के किनारे किया मॉक ड्रिल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बाराबंकी। रामनगर तहसील क्षेत्र से गुजरने वाली घाघरा-सरयू नदी में हर साल बाढ़ आती है। इससे आसपास के दर्जनों गांव जलमग्न हो जाते हैं। लोगों को कई महीनों तक बाढ़ की समस्या का सामना करना पड़ता है।

मॉकड्रिल के दौरान आपदा प्रबंधन के कर्मचारियों ने लोगों को बाढ़ से बचाव के तरीके बताए। उन्हें सिखाया गया कि बाढ़ आने पर सबसे पहले अपने जरूरी सामान के साथ सुरक्षित स्थान पर जाएं। प्रशासन द्वारा बनाए गए शेल्टर में आश्रय लें।

लोगों को बताया गया कि आपात स्थिति में 108 पर फोन कर स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त कर सकते हैं। किसी भी तरह की समस्या होने पर बाढ़ प्रबंधन अधिकारियों को सूचित करें। प्रशासन तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू करेगा।

सरकार के निर्देश पर जिला प्रशासन बाढ़ से बचाव के लिए लगातार प्रयासरत है। इस मॉकड्रिल का उद्देश्य लोगों को बाढ़ जैसी आपदा से निपटने के लिए तैयार करना है।

रिश्वत मांगने के आरोप में केडीए लिपिक सस्पेंड

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। कानपुर विकास प्राधिकरण में भ्रष्टाचार का एक और मामला सामने आया है। शताब्दी नगर फेज-3 के प्लॉट आवंटन में छूट दिलाने के नाम पर रिश्वत मांगने के आरोप में प्राधिकरण के लिपिक विकास भारती को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

यह मामला 23 जून 2025 को जनता दर्शन के दौरान प्रकाश में आया, जब आवंटी गीता सिंह ने शिकायत की कि उन्हें 112.50 वर्गमीटर का प्लॉट आवंटित हुआ। संपूर्ण भुगतान एक साथ करने पर 5त्न की छूट अनुमन्य करने के नाम पर ?1,50,000 की अवैध मांग कर रहा था। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए प्राधिकरण उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्याल ने आरोपी की लिपिक विकास भारती को तत्काल सस्पेंड कर दिया।

मकनपुर में पंचायत की जमीनें रहस्यमय ढंग से गायब!

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर (कानपुर)। मकनपुर में पंचायत की बेशकीमती ज़मीनें धीरे-धीरे ग़ायब होती जा रही हैं। ये वही ज़मीनें हैं जो गांव की आम जनता के उपयोग के लिए छोड़ी गई थीं।

चाहे वो स्कूल बनाना हो, पंचायत भवन, खेल मैदान या चकरोड़। लेकिन अब इन ज़मीनों पर निजी कब्जे बढ़ते जा रहे हैं और कुछ जगहों पर चुपचाप प्लॉटिंग शुरू हो चुकी है।

ग्रामीणों का कहना है कि गांव के कई हिस्सों में चकरोड़,यानी सार्वजनिक रास्ते पर प्लॉट काटे जा रहे हैं। निर्माण सामग्री डाली जा रही है और कुछ जगहों पर दीवारें भी खड़ी कर दी गई हैं।

कागज़ों में यह ज़मीन पंचायत या ग्राम समाज के नाम है।

लेकिन ज़मीन पर कब्जा करने वालों ने किससे परमीशन ली कोई नहीं जानता। कहीं गांव के आकाओं पर उनका हाथ तो नहीं है। ग्रामीणों ने कई बार अधिकारियों से गुहार लगाई है लेकिन नतीजा कुछ नहीं निकला।बिल्हौर एसडीएम ज्वाला प्रसाद का कहना है कि जाँच कराएँगे।

» कहां गई ज़मीन, किसने हड़पी,सब जानकर भी अनजान

»कुछ जगहों पर चकरोड़ पर ही प्लॉटिंग

पंचायत की जमीनें कागज़ों में है और मौके पर कब्जे

»जिम्मेदार चुप्पी साधे, ग्रामीणों में रोष

क्या है कब्जों की खास वजह

ग्राम पंचायत की अधिकांश जमीनों पर कब्जे की वजह ग्राम पंचायत और स्थानीय प्रशासन की लापरवाही ही है। जिसमें कई मामलों में तहसील के कर्मचारियों की मिलीभगत भी सामने आ चुकी है।

जब तक तहसील के अधिकारियों की सक्रियता नहीं बढ़ेगी तब तक इस पर लगाम लग पाना मुश्किल होगा। और यदि यही हाल रहा तो आने वाले समय में ग्राम पंचायतों में सार्वजनिक उपयोग के लिए जमीन मिल पाना मुश्किल हो जाएगी।

आंगनवाड़ी निर्माण में लापरवाही पर सीडीओ सख्त, इंजीनियर को जारी कारण बताओ नोटिस

» 30 जून तक निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ तो होगी प्रतिकूल प्रविष्टि

» स्वास्थ्य व पोषण सेवाओं की निगरानी में कोई कोताही न हो : सीडीओ लक्ष्मी एन

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। मुख्य विकास अधिकारी (षटष्ठह्र) लक्ष्मी एन. की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में जिला पोषण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आंगनबाड़ी केंद्रों की निर्माण प्रगति, पेयजल, विद्युत, शौचालय, पुष्टाहार वितरण और कुपोषित बच्चों की स्थिति जैसे अहम बिंदुओं की गहन समीक्षा की गई।

CDO ने आंगनबाड़ी निर्माण में अत्यंत धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए ऋश्च.ष्ठ. के अधिशासी अभियंता को कारण बताओ नोटिस जारी किया और निर्देश दिया कि 30 जून तक सभी निर्माण कार्य हर हाल में पूरे किए जाएं, अन्यथा प्रतिकूल प्रविष्टि दी जाएगी। साथ ही, सरवनखेड़ा और रसूलाबाद में आधार व मोबाइल प्रमाणीकरण की कमजोर प्रगति पर संबंधित CDPO का एक दिन का वेतन रोकने और नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में सख्त चेतावनी और सेवाओं को चुस्त-दुरुस्त करने के निर्देश

CDO ने हॉट कुक्ड मील योजना में लापरवाही के आरोप में राजपुर के सुपरवाइज़र से स्पष्टीकरण मांगा और कहा कि सैम/मैम श्रेणी के बच्चों के इलाज व पोषण से जुड़ी हर जानकारी पंजी में शत-प्रतिशत दर्ज होनी चाहिए। उन्होंने साफ निर्देश दिए कि आंगनबाड़ी केंद्रों की साफ-सफाई, विद्युत व्यवस्था

पेड़ से लटकता मिला वृद्ध का शव, गांव में सनसनी

रसूलाबाद क्षेत्र में फांसी लगाकर आत्महत्या, पुलिस ने शव भेजा पोस्टमार्टम को

कानपुर देहात। कोतवाली रसूलाबाद के ग्राम भीमसेनपुरवा में उस समय हड़कंप मच गया जब गांव के बाहर एक पेड़ से वृद्ध का शव लटकता मिला। मृतक की पहचान 65 वर्षीय मानसिंह यादव पुत्र स्व. सोने लाल यादव के रूप में हुई है। घटना को संदिग्ध परिस्थितियों में आत्महत्या बताया जा रहा है।

वृद्ध की मौत की जानकारी उनके रिश्तेदार पुष्पेंद्र यादव (निवासी ग्राम गुना, थाना इंदरगढ़, जिला कन्नौज) ने रसूलाबाद थाने में दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पंचायतनामा भरने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। फिलहाल पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच में जुटी है।

एसडीएम जितेंद्र कटियार को भोगनीपुर बार एसोसिएशन ने दी भावभीनी विदाई

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर बार एसोसिएशन द्वारा उपजिलाधिकारी जितेंद्र कटियार के सम्मान में एक भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राम जन्म सिंह यादव एडवोकेट ने की।

इस मौके पर तहसील के प्रमुख अधिकारी तहसीलदार, नायब तहसीलदार और सब रजिस्ट्रार शशांक सिंह समेत बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे। समारोह में एसडीएम जितेंद्र कटियार के जनहितैषी कार्यों और प्रशासनिक दक्षता की खुले दिल से सराहना की गई।

» बार अध्यक्ष राम जन्म सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुआ भव्य सम्मान समारोह

अधिवक्ताओं और अधिकारियों ने की कार्यकाल की सराहना, दी शुभकामनाएं

बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों उपाध्यक्ष शिव सिंह यादव, महामंत्री बलीमुद्दीन शेख, संयुक्त मंत्री ध्रुव कुमार निषाद, कोषाध्यक्ष शिव मोहन सिंह यादव, पुस्तकालय अध्यक्ष चंद्र शेखर आर्या व संपादक आदर्श सचान— सहित कई वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। पूर्व अध्यक्षों व महामंत्रियों जैसे बालक राम पाल, धर्म सिंह यादव, दीपक पांडे, अनादि मिश्र आदि ने समारोह की गरिमा को और बढ़ाया। सभी ने एसडीएम कटियार को उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं और उनकी जनसेवा को यादगार बताया।

नदी में नहाते वक्त किशोर की डूबने से मौत

» लवी सिंह अलीगढ़ से दोस्त संग नहाने आया था रिंद नदी, एसडीआरएफ ने अगले दिन बरामद किया शव

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद क्षेत्र के शाहपुर महेरा स्थित रिंद नदी में बुधवार दोपहर एक दर्दनाक हादसा हो गया। अलीगढ़ के लोधा थाना क्षेत्र के बसंत गांव निवासी 16 वर्षीय लवी सिंह अपने दोस्त संजीव (निवासी सखावतपुर, जिला फिरोजाबाद) के साथ नदी में नहाने आया था। नहाते समय लवी गहराई में चला गया और डूब गया। संजीव ने मदद के लिए शोर मचाया, लेकिन जब कोई जवाब नहीं मिला तो उसने तुरंत घटना की जानकारी परिजनों को दी।सूचना पर गांव व घर के लोग मौके पर पहुंचे और खोजबीन शुरू की। रसूलाबाद पुलिस और तहसील प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर स्थानीय गोताखोरों की मदद से सर्च ऑपरेशन शुरू कराया, लेकिन घटना वाले दिन लवी का कोई

सुराग नहीं लगा। अगले दिन एसडीआरएफ टीम की मदद से शव बरामद किया गया। लवी की मौत की पुष्टि होते ही परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् ने आपातकाल पर किया मौन प्रदर्शन

» मशाल जुलूस निकाल कर किया विरोध

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। बुधवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कानपुर महानगर के कार्यकर्ताओं द्वारा आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर कंपनी बाग चौराहा पर मौन विरोध प्रदर्शन व मशाल जुलूस यात्रा का आयोजन किया गया। महानगर मंत्री मयंक पासवान ने सभी को संबोधित करते हुए बताया कि 1975 में आज के ही दिन भारतीय संविधान को दरकिनार कर आपातकाल को थोपा गया था। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद आज मशाल के माध्यम से यह संदेश देना चाहती है कि हमें यह स्मरण रहे की 25 जून 1975 की भांति लोकतंत्र की हत्या फिर कभी इस देश में न की जाए जिस प्रकार से यह दिन हमारे इतिहास का काला अध्याय है उसे याद करना व उससे सबक लेना हमारे लिए अत्यधिक आवश्यक है इसके अतिरिक्त यह भी ध्यान रखना चाहिए की 25 जून 1975 को लागू किए गए आपातकाल के दौरान विशिष्ट व्यक्तियों के साथ जिस प्रकार दुर्व्यवहार व बर्बरता की गई वह आज भी हम सभी को पीड़ा देती है। आपातकाल देश की न्यायपालिका के अनादर का भी जीता जागता उदाहरण रहा है।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य गरिमा त्रिवेदी ने बताया कि 25 जून 1975 की रात को देश की आत्मा को कुचलना का काम तत्कालीन सरकार द्वारा किया गया। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ मीडिया व देश के पत्रकार बन्धुओं की आवाज को दबाकर संपूर्ण जनमानस को तत्कालीन सरकार द्वारा क्रूर यातनाओं के सुपुर्द कर दिया गया था। देश के महापुरुषों को जेल की सलाखों के पीछे धकेल दिया गया था। पूरे देश को जेल खाना बना दिया गया था। उन्होंने बताया कि लोकतंत्र के प्रति आस्था का क्या महत्त्व है यह समझाने के लिए भी लोकतंत्र पर किस प्रकार प्रहार हुआ था यह स्मरण करना भी जरुरी है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद इस मशाल जुलूस के माध्यम से यह संदेश देना चाहती है कि हम संपूर्ण देश को पुनः उस दौर में न जाने दें व उस समय के परिणामों को सदैव याद भी रखें। प्रान्त मीडिया संयोजक दिनेश यादव ने बताया कि आज 50 वर्षों के पश्चात भी कांग्रेस द्वारा आपातकाल के लिए देश के नागरिकों से क्षमा न मांगना व देश के साथ किए गए विश्वासघात पर खेद तक प्रकट न करना बहुत ही निन्दनीय है। इस दौरान प्रथमेश, उज्ज्वल, गजराज, सुधांशु, एल्विन, खुशी गुप्ता, विभाग संगठन मंत्री ज्ञानेंद्र सिंह, हर्ष राजपूत, ज्ञानेंद्र शुक्ल, उपेन्द्र चक, राघवेन्द्र, गुंजन, रामजी, सुशांत मिश्रा, माधव राजपूत, ओम नारायण त्रिपाठी, हर्ष सिंह, नैतिक, प्रभात कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

5वीं और 8वीं के बच्चों को भी बनाया जाएगा निपुण

लापरवाह शिक्षकों की अब खैर नहीं, विभाग ने कसी कमर

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। प्रदेश के स्कूलों में अब निपुण भारत मिशन का दायरा और बढ़ा दिया गया है। जहां पहले तक यह कार्यक्रम कक्षा एक से तीन तक के बच्चों पर केंद्रित था वहीं अब जुलाई से कक्षा पांचवीं और आठवीं के विद्यार्थियों को भी इसमें शामिल किया जाएगा। अभी तक उच्च प्राथमिक विद्यालयों में निपुण लक्ष्य नहीं था तो शिक्षक बच्चों को पढ़ाने में रुचि नहीं ले रहे थे। प्राय- देखा गया था कि कक्षा 8 में पढ़ने वाले कुछ बच्चे अपना और अपने पिता का नाम तक सही से नहीं लिख पा रही थे, इसी कारण बच्चों के शैक्षिक स्तर में सुधार लाने के लिए पांचवी और आठवीं कक्षा में भी निपुण लक्ष्य निर्धारित कर दिया गया है। निपुण (नेशनल इनिशिएटिव फार प्रोफिशिएंसी इन रीडिंग विद अंडरस्टैंडिंग एंड न्यूमेरेसी) को पांच जुलाई 2021 को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया था। प्रदेश में यह मिशन बेसिक शिक्षा विभाग के माध्यम से चलाया जा रहा है। इसका मकसद है कि कक्षा तीन तक के सभी बच्चों को भाषा और गणित में बुनियादी दक्षता दिलाई जाए। इसके तहत बच्चों का नियमित आकलन (असेसमेंट) होता है। उनकी पढ़ने, समझने और गणना करने की क्षमता पर विशेष ध्यान दिया जाता है। शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाता है, बच्चों के लिए विशेष कार्य पुस्तिकाएं (वर्कबुक) तैयार होती हैं और उन्हें धीरे-धीरे तय दक्षता स्तर तक पहुंचाया जाता है। यही कारण है कि तीसरी कक्षा में यूपी के बच्चे अब राष्ट्रीय औसत से बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।

छठी और नौवीं कक्षा में दिखी गिरावट-

परख 2024 राष्ट्रीय मूल्यांकन सर्वेक्षण में यह देखा गया कि तीसरी कक्षा के बच्चे राष्ट्रीय औसत से आगे निकल गए लेकिन छठी और नौवीं कक्षा में यूपी के बच्चे पीछे रह गए। छठी कक्षा के बच्चे राष्ट्रीय औसत से एक से दो प्रतिशत पीछे रहे हैं। वहीं नौवीं कक्षा में भाषा, गणित, विज्ञान व सामाजिक विज्ञान में यूपी का प्रदर्शन राष्ट्रीय औसत से तीन से छह प्रतिशत पीछे रहा है। इससे माना गया है कि बुनियादी समझ की कमी आगे की कक्षाओं में बच्चों के प्रदर्शन को प्रभावित कर रही है।

नियमित होगा मूल्यांकन-

महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा का कहना है कि निपुण का दायरा अब पांचवीं और आठवीं कक्षा तक बढ़ाया जाएगा। इन

कक्षाओं में बच्चों का अलग तरह से मूल्यांकन किया जाएगा। वार्षिक परीक्षा में प्रश्नपत्रों की गुणवत्ता सुधारी जाएगी। बच्चों की भाषा और गणितीय समझ पर विशेष फोकस रहेगा। शिक्षकों को नई रणनीतियों से प्रशिक्षित किया जाएगा। इससे जैसे तीसरी कक्षा में निपुण के जरिये बच्चों की समझ और प्रदर्शन बेहतर हुआ है, वैसे ही पांचवीं और आठवीं के बच्चों की बुनियादी शिक्षा में सुधार होगा।

स्वराज इंडिया फॉलोअप

मंदबुद्धि रजितराम को मिलेगा इंसाफ, पहला कदम बढ़ा

» आईजी की सख्ती से जागी अयोध्या पुलिस

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या। कभी-कभी न्याय के दरवाज़े खटखटाने के लिए एक फरियादी की आवाज़ नहीं, बल्कि एक अफ़सर की सख्ती की जरूरत होती है – और यही कर दिखाया आईजी अयोध्या रेंज प्रवीण कुमार ने। उनकी सीधी हस्तक्षेप और सख्त हिदायतों के बाद बीकापुर पुलिस ने महज कुछ घंटों में धोखाधड़ी के गंभीर मामले में मुकदमा दर्ज कर मिसाल पेश की है।

यह मामला है बीकापुर क्षेत्र के एक मंदबुद्धि युवक रजितराम का, जिसकी बहन अपने भाई केह्न हक के लिए लंबे समय से लड़ाई लड़ रही थी। तीन दिन पूर्व इस प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए एससी/एसटी आयोग से जांच टीम अयोध्या पहुंची, और सीधे जिलाधिकारी व एसएसपी को नोटिस थमा दी।

लेकिन इससे पहले की कार्रवाई आगे बढ़ती, बुधवार सुबह 10 बजे पीड़ित पक्ष के अधिवक्ता विनय प्रताप सिंह और प्रदीप पांडेय एडवोकेट ने रजितराम के साथ आईजी प्रवीण कुमार से मुलाकात की और उन्हें पूरे मामले की जानकारी दी। आईजी ने न सिर्फ तत्काल बीकापुर पुलिस को कार्रवाई के निर्देश दिए बल्कि यह भी सुनिश्चित किया कि पीड़ित को न्याय की प्रक्रिया में कोई बाधा न आए। परिणामस्वरूप, पुलिस ने अनिल कुमार नामक आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धोखाधड़ी सहित कई धाराओं में मुकदमा दर्ज कर दिया है।आरोप है कि अनिल कुमार ने रजितराम जैसे मानसिक रूप से कमजोर व्यक्ति के बैंक खाते से लाखों रुपए निकालकर अपने खाते में डलवा लिए और उसके नाम पर खेत की रजिस्ट्री भी करवा ली – जो सीधे तौर पर शासनादेश का उल्लंघन है। बीकापुर

स्वराज इंडिया www.swarajindianews.com अपना प्रदेश कानपुर शुक्रवार 20 जून, 2025 11

न्याय के नाम पर धब्बा बनी अयोध्या की ब्यूरोक्रेसी, आयोग ने खोला मोर्चा

» मंदबुद्धि की जमीन निगल गया सिस्टम,आयोग ने जड़ा तमाचा

»डीएम अयोध्या और एसएसपी को एससी/एसटी आयोग ने भेजा नोटिस

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या। बीकापुर के मंदबुद्धि राजितराम की बहन जितना जब थाने से लेकर तहसील और कमिश्नरी तक न्याय की भीख मांगती रही, तब सिस्टम ने चुप्पी साध रखी थी। लेकिन अब राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने अधिकारियों की नींद तोड़ दी है–डीएम अयोध्या और एसएसपी अयोध्या को नोटिस जारी कर 15 दिन में जवाब तलब कर लिया गया है।

जिन अफसरों की जिम्मेदारी थी कि वे पीड़ित को न्याय दिलाएं, उन्हीं की निष्क्रियता के चलते अब नौ लोगों पर एफआईआर दर्ज करने का रास्ता साफ हो गया है–इनमें रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अमरनाथ सोनकर, उपनिबंधक बीकापुर, दस्तावेज़ लेखक और बाकी बिचौलिए शामिल हैं। मामला सिर्फ ज़मीन हड़पने का नहीं, बल्कि एक पूरे सिस्टम की संवेदनहीनता और जातीय उत्पीड़न की चुप सहमति का दस्तावेज़ बन गया है।

पीड़ित राजितराम अपनी बहन जितना के साथ

जितना का आरोप है कि उसका भाई राजितराम बचपन से मंदबुद्धि है, और उसकी अनमोल ज़मीन को तहसील और रजिस्ट्री कार्यालय की मिलीभगत से हड़प लिया गया। ना उसे गाटा संख्या पता, ना रकबा की समझ। फिर भी उसके नाम बैनामा कैसे हुआ? सवाल सीधा है और जवाब देने से अफ़सर कतरा रहे हैं।

सवालों के कटघरे में प्रशासन

क्या ज़मीन हड़पने वाले और अधिकारी मिले हुए थे?

मंदबुद्धि को बैनामे में कैसे बनाया गया पक्षकार?

आयोग को रिपोर्ट देने से पहले ही क्या दर्ज होगी एफआईआर?

बीकापुर एसडीएम विकास धर दुबे के निर्देश पर आरोपी अनिल कुमार सहित दो लोगो को कोतवाली बुलाकर पूछताछ शुरू की गयी है। एसडीएम के समक्ष पीड़ित राजितराम अपनी बहन जितना और अधिवक्ता प्रदीप पांडेय के साथ पेश होकर पैरवी की थी।

थाना, सीओ, एसपी–सभी दरवाज़े खटखटाए गए, लेकिन जब कोई सुनवाई नहीं हुई तो जितना ने आयोग का दरवाजा खटखटाया। अब आयोग ने सीधा प्रशासन को लपेटे में ले लिया है। 15 दिन का अल्टीमेटम जारी है–या तो कार्रवाई करो या भुगतो!

सीओ भी अब यह सवाल उठा रहे हैं कि शासन के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद मंदबुद्धि व्यक्ति के नाम पर रजिस्ट्री कैसे हो गई? बीकापुर कोतवाल लालचंद सरोज ने बताया कि आरोपी की तलाश शुरू हो चुकी है और जल्द ही गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी।

नज़ीर बनी आईजी की सख्ती

इस केस ने दिखा दिया कि यदि पुलिस प्रशासन की शीर्ष स्तर से संवेदनशील नेतृत्व मिले तो कमजोर, वंचित और विशेष वर्ग के लोग भी न्याय की उम्मीद कर सकते हैं। आईजी प्रवीण कुमार ने सिर्फ निर्देश नहीं दिए, बल्कि एक स्पष्ट संदेश भी दिया – 卐अब हर शिकायत सुनी जाएगी और हर अन्याय के खिलाफ कार्रवाई होगी, चाहे पीड़ित कितना ही असहाय क्यों न हो।

राम की धरती पर खून की इबारत!

» रामनगरी में दो महीनों में 14 हत्याएं, थर्रा उठी अयोध्या

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।जहां कभी प्रेम, शांति और राम के नाम की गूंज सुनाई देती थी, वहां अब चीखें, मातम और हत्या की कहानियां हैं। रामनगरी अयोध्या इन दिनों हथियारों के साए में है। बीते सिर्फ दो महीनों में 12 अलग-अलग घटनाओं में 14 लोगों की हत्या ने शहर को दहला दिया है। मंदिरों के बीच अब अपराध की परछाई गहरी हो चुकी है।

हत्या के पीछे क्या हैं वजह?

कहीं दो गज ज़मीन के लिए भाई ने भाई का गला रेता, तो कहीं रिश्तेदार ही खूनी निकले। प्रेम संबंध, घरेलू कलह, ज़मीन विवाद, और आपसी रंजिश अब अयोध्या की सड़कों पर लाश बनकर गिर रही हैं।

पुलिस एक्शन तेज पर सवाल और भी तेज

अयोध्या पुलिस ने सभी मामलों में त्वरित कार्रवाई की – गिरफ्तारी से लेकर चार्जशीट तक की प्रक्रिया में तेजी लाई। लेकिन सवाल अब कार्रवाई नहीं, अपराध के तेजी से बढ़ते ग्राफ का है।

–क्या अयोध्या अब भी शांति, भक्ति और भाईचारे का प्रतीक है?

या फिर वह राजनीतिक और प्रशासनिक उदासीनता की कीमत चुका रही है?

इस रामनगरी में अब श्रद्धा से पहले डर आता है। राम के आदर्शों वाली भूमि, क्या अब खून से रंगती जाएगी?

समाज, प्रशासन और राजनीति – तीनों को आत्मचिंतन की आवश्यकता है। क्योंकि अगर अयोध्या की आत्मा खामोश हो गई, तो पूरा देश सुन्न पड़ जाएगा।

राम के नाम पर सियासत सबने की,

पर राम की धरती को बचाने कोई नहीं आया।

अगले अंक में पढ़िए-

– अयोध्या में अपराधियों का नेटवर्क – कौन चला रहा है खून का कारोबार?

– प्रशासन की खामियां और खुफिया तंत्र की चुप्पी।

– पीड़ित परिवारों की मार्मिक दास्तान।

हत्याओं की भयावह फेहरिस्त

9 मई - रुदौली में खून की पहली छींट।
-11 मई - खंडासा में चली मौत की दूसरी गूंज।
-14 मई - निर्मोचन घाट पर बहा लहू।
-18 मई - रामपुर हलवारा में टूटी सांसें।
-19 मई - तारुन में रिश्तों की लाश मिली।
-24-25 मई - बारा गांव दो रातों में दो हत्याएं।
-2 जून - बीकापुर में फिर हुई हत्या।
-5 जून - खंडासा की जमीन लहूलुहान।
-10 जून - नुवांवा बैदरा गांव की भयावह वारदात।
-14 जून - रौनाही के जगनपुर में खून की कहानी।
-18 जून - बाबा बाजार के कलाफरपुर में टूटा कहर।
-24 जून - पूराकलंदर के पलिया गोवा में फिर चली मौत।

लखनऊ के शुभांशु ने अंतरिक्ष को भरी उड़ान

41 साल बाद अंतरिक्ष में रवाना होने वाले दूसरे भारतीय बने

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

लखनऊ। भारत ने अंतरिक्ष की दुनिया में इतिहास रच दिया है। लखनऊ के रहने वाले शुभांशु शुक्ला ने इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन की ओर उड़ान भरी। भारत ने अंतरिक्ष की दुनिया में इतिहास रच दिया है। लखनऊ के रहने वाले शुभांशु शुक्ला ने बुधवार को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन की ओर उड़ान भरकर भारत की मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम में 41 साल बाद वापसी कराई। वह अमेरिका की प्राइवेट कंपनी एक्सिओम मिशन के तहत अंतरिक्ष में गए हैं।

फ्लोरिडा स्थित नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर पर दोपहर 12 बजे दस से उल्टी गिनती शुरू हुई। धुंआ और आग उगलता 'स्पेस-एक्स'' का फाल्कन-9 रॉकेट अपने लक्ष्य की ओर छूटने को बेताब था। राजधानी लखनऊ के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला दोपहर ठीक 12.01 पर इस रॉकेट में सवार होकर अंतरिक्ष की ओर एक्सिओम-4 मिशन पर रवाना हो गए।

राजधानी लखनऊ के गौरवशाली इतिहास में बुधवार को एक नया अध्याय जुड़ गया। कानपुर रोड के सिटी मांटेसरी स्कूल में इस लॉन्चिग का लाइव प्रसारण के दौरान जैसे ही यान के सुरक्षित लॉन्चिंग की घोषणा हुई, वहां मौजूद शुभांशु की मां की आंखें डबडबा आईं। पिता की आंखें गर्व से चमक उठीं।

बेटे ने आज मुझे भी सेलिब्रिटी बना दिया

रॉकेट की सुरक्षित लॉन्चिंग होते ही शुभांशु की मां आशा देवी की आंखें भर आईं। उन्होंने कहा कि कि ये खुशी और गवर के आंसू हैं। शुभांशु की कठोर मेहनत, तपस्या और कामयाबी ने आज हमें भी सेलिब्रिटी बना दिया। सुबह चार बजे शुभांशु से व्हाट्सअप पर बात हुई। बेटे ने कहा कि मां आप अपना, पापा का और सबका खयाल रखना। मां ने वीडियो कॉल पर सांकेतिक तौर पर दही-पेड़ा खिलाया, तिलक लगाते हुए मिशन की कामयाबी के लिए जी भर कर आशीष दिया। पिता शंभु दयाल शुक्ला चमकती हुई आंखों से कहते हैं कि उन्हें बेटे के मिशन की कामयाबी पर अटूट विश्वास है।

मेरा इंतजार करना : शुभांशु शुक्ला

अंतरिक्ष के लिए रवाना होने के पहले शुभांशु ने अपने माता-पिता से कहा, मेरा इंतजार करना मैं आता हूं। शुभांशु की बहन ने कहा, हमारी आंखों में खुशियों के आंसू हैं। वो हमले काफी दूर जा रहा है। हम इस मिशन को लेकर बेहद उत्सुक हैं। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष से अपना पहला संदेश भेजा है। शुभांशु ने भारत के लोगों को संबोधित करते हुए कहा, नमस्कार मेरे प्यारे देशवासियों। काफी साल बाद हम फिर वापस अंतरिक्ष में पहुंच गए हैं। कमाल की राइड है। मेरे साथ मेरे कंधे पर तिरंगा है। जय हिंद, जय भारत।

हिमाचल में हाहाकार

बादल फटने से आई बाढ़, दो की मौत, 20 लोग बहे

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कुल्लू। हिमाचल के कुल्लू जिले में बादल फटने से अचानक आई बाढ़ के बाद तीन लोग लापता हैं. बाढ़ से कई घर, एक स्कूल भवन, संपकड़ सड़कें और छोटे पुल क्षतिग्रस्त हो गए। हिमाचल प्रदेश में बारिश और बाढ़ ने तबाही मचाई हुई है। बुधवार को बादल फटने, अचानक आई बाढ़ और भारी बारिश के कारण दो लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 20 लोगों के बह जाने की आशंका है। कांगड़ा जिले में मनुनी खड्ड से दो शव बरामद किए गए, जबकि इंदिरा प्रियदर्शिनी जलविद्युत परियोजना स्थल के पास एक श्रमिक कॉलोनी में रह रहे लगभग 15-20 श्रमिकों के खनियारा मनुनी खड्ड में जल स्तर बढ़ने से बह जाने की आशंका है।

अधिकारियों के अनुसार, बारिश के कारण परियोजना का काम रोक दिया गया था और श्रमिक निर्माण स्थल के पास अस्थायी आश्रयों में आराम कर रहे थे, तभी मनुनी खड्ड और आसपास के नालों से बाढ़ का पानी श्रमिक कॉलोनी की ओर आ गया और श्रमिकों को बहा ले गया। राज्य आपदा मोचन बल, स्थानीय प्रशासन, ग्राम पंचायत और राजस्व विभाग की टीम खोज और बचाव अभियान चलाने के लिए मौके पर पहुंच गई हैं।

सख्ती से लागू होगा फैसला

कोई पुरानी गाड़ी पकड़ी जाती है तो गाड़ी जब्त की जाएगी और पेनाल्टी भी लगेगी

नोएडा में 15 साल पुराने वाहनों को नहीं मिलेगा पेट्रोल-डीजल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नोएडा। नोएडा और गाजियाबाद में 10 साल से पुरानी डीजल वाली गाड़ियों और 15 साल से पुरानी पेट्रोल वाली गाड़ियों को ईंधन नहीं मिलेगा। दिल्ली में भी 1 जुलाई से इन गाड़ियों को फ्यूल मिलना बंद हो जाएगा।

अगर आप पुरानी गाड़ी चला रहे हैं तो ये खबर आपके लिए ही है। नोएडा और गाजियाबाद में 10 साल से ज्यादा पुरानी डीजल वाली गाड़ियां और 15 साल से ज्यादा पुरानी पेट्रोल गाड़ियों को फ्यूल नहीं मिलेगा। नोएडा के रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिस (आरटीओ) ने कमिशन फॉर एयर क्वॉलिटी मैनेजमेंट के आदेश पर यह घोषणा की है। 1 नवंबर से ये फैसला लागू होगा। इस कदम से एनसीआर के इलाकों में प्रदूषण कम होगा। आप सोचेंगे कि पेट्रोल पंप पर सारी गाड़ियों की उम्र चेक करने की पुर्सत किसको है। दिन में हजारों गाड़ियां आती हैं। इस काम में मदद के लिए कैमरा लगाए जाएंगे। नोएडा और गाजियाबाद के पेट्रोल पंप पर ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रेकगनिशन कैमरे लगे होंगे, जो इन गाड़ियों की पहचान करेंगे। कैमरा गाड़ी के नंबर प्लेट को स्कैन करेंगे। ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के डेटाबेस से उनका मिलान करेंगे। अगर गाड़ी तय सीमा से ज्यादा पुरानी है तो उसे फ्लैग कर दिया जाएगा और पेट्रोल-डीजल नहीं मिलेगा। गौतम बुद्ध नगर ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के आंकड़ों के मुताबिक जिले में करीबन 2.08 लाख ऐसी गाड़ियां हैं जो प्रतिबंधित कैटेगरी में आती हैं। पुरानी गाड़ी के मालिकों को नोटिस मिलने शुरू हो गए हैं। अब सवाल उठता है इन गाड़ियों का होगा क्या? आरटीओ ने सभी गाड़ी मालिकों से नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट लाने को कहा है या फिर अपनी गाड़ियों को एनसीआर के बाहर ट्रांसफर कराने को कहा है या फिर डिपार्टमेंट के पास भी जमा करा सकते हैं। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि अगर कोई पुरानी गाड़ी पकड़ी जाती है तो गाड़ी जब्त कर ली जाएगी और पेनाल्टी भी लगाई जाएगी।